भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1264

गुरूवार, 1 अगस्त, 2024/10 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन के तीव्र विकास के नकारात्मक प्रभाव

1264 श्री के.आर. सुरेश रेड्डी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने इस तथ्य पर ध्यान दिया है कि पर्यटन का तेजी से विकास होने के कारण इसके नकारात्मक प्रभाव भी देखे गए हैं, जिसमें पर्यावरण क्षरण, अत्यधिक भीड़भाड़ और स्थानीय समुदायों का शोषण शामिल है;

(ख) यदि हां, तो पर्यटन के नकारात्मक प्रभावों को दूर करने और पर्यटन उद्योग में निजी क्षेत्र के निवेशों को बढ़ाने के साथ-साथ जिम्मेदार पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जाने वाले प्रस्तावित उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश भर में सतत और उत्तरदायित्वपूर्ण पर्यटन के स्थलों को विकसित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): जी हां, पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है और स्थायी पर्यटन के विकास के लिए निम्नलिखित कार्यनीतिक स्तंभों को चिन्हित किया गया है:

i. पर्यावरणीय स्थायित्व का संवर्धन
ii. जैव विविधता का संरक्षण
iii. आर्थिक स्थायित्व का संवर्धन
iv. सामाजिक-सांस्कृतिक स्थायित्व का संवर्धन
v. स्थायी पर्यटन के प्रमाणन हेतु योजना
vi. आईईसी और क्षमता निर्माण
vii. शासन

पर्यटन मंत्रालय ने देश में स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों तथा पर्यटन व्यवसायों को स्थायी पर्यटन कार्यपद्धतियों को अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए ट्रैवल फॉर लाइफ नामक पहल की भी शुरुआत की है। ट्रैवल फॉर लाइफ का उद्देश्य पर्यटन संसाधनों की खपत हेतु पर्यटकों तथा पर्यटन व्यवसायों के लिए उठाए गए सुविचारित और सुनियोजित कदमों के माध्यम से देश में स्थायी पर्यटन का संवर्धन करना है।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक और गंतव्य केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को भी स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है। इन पहलों के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि पर्यटन, पर्यावरण का संरक्षण करते हुए और स्थानीय समुदायों का लाभ के साथ अर्थव्यवस्था में सकारात्मक सहयोग दे।

*****